No. of Printed Pages : 6 **BPY–001**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2026

(Elective Course : Philosophy)

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY—I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Write an essay on the nature of ultimate reality and Moksha as expounded in Svetasvatara Upanishad. 20

Or

Explain the different states of consciousness as given in the Māndukya Upanishad. 20

2. Explain in detail the cosmology and the concept of 'tat tvam asi' as developed in Chhandogya Upanishad. 20

Or

Present a detailed account of Jaina epistemology. 20

3. Answer any *two* of the following in about **200** words each :

(a) Explain the *three* boons asked by Nachiketa 10

(b) Discuss the concept of Sunyavāda of Mādhyamikas. 10

(c) Explain the difference between Jiva and Ajiva according to Jaina Metaphysics. 10

(d) Give an exposition of the metaphysical position of Carvaka philosophy. 10

4. Answer any *four* of the following in about **150** words each :

(a) Distinguish between Jivan Mukti and Videha Mukti. 5

(b) Explain briefly the doctrine of Karma in Buddhism. 5

(c) Briefly explain the unique features of Katha Upanishad. 5

(d) Discuss the nature of Brahman as described in Mundaka Upanishad. 5

(e) Write a note on the metaphysical position of Yogācāra Vijñāñāvāda. 5

(f) Differentiate between Para and Apara Vidya. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Monotheism and Monism 4

(b) Syadavada of Jainism 4

(c) Four noble truths of Buddhism 4

(d) Atman and Brahman 4

(e) Nature of Vedic Gods 4

(f) Nirvana in Buddhism 4

(g) Nishkamakarma 4

(h) Importance of Vedangas 4

BPY–001

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. श्वेताश्वतर उपनिषद् में वर्णित परम सत् एवं मोक्ष की प्रकृति पर निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

माण्डूक्य उपनिषद् में प्रतिपादित चेतना के विभिन्न स्तरों की व्याख्या कीजिए। 20

2. छान्दोग्य उपनिषद् में व्याख्यायित ब्रह्माण्ड-विद्या एवं 'तत् त्वम् असि' की अवधारणा की विस्तृत चर्चा कीजिए।

अथवा

जैन ज्ञानमीमांसा की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) नचिकेता द्वारा माँगे गये **तीन** वरदानों की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) माध्यमिक के शून्यवाद की चर्चा कीजिए। 10

(ग) जैन तत्वमीमांसा के अनुसार 'जीव' एवं 'अजीव' के मध्य भेद की चर्चा कीजिए। 10

(घ) चार्वाक दर्शन के तत्वमीमांसीय विचार की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए :

(क) जीवनमुक्ति और विदेहमुक्ति में अन्तर कीजिए। 5

(ख) बौद्ध दर्शन में कर्म सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) कठ उपनिषद् की विशेषताओं की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(घ) मुण्डक उपनिषद् में वर्णित ब्रह्म की प्रकृति की चर्चा कीजिए। 5

(ङ) योगाचार विज्ञानवाद के तत्वमीमांसीय विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

(च) परा और अपरा विद्या में अन्तर कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) एकेश्वरवाद एवं एकत्ववाद 4

(ख) जैन दर्शन का स्यादवाद 4

(ग) बौद्ध दर्शन के अष्टांग मार्ग 4

(घ) आत्मा और ब्रह्म 4

(ङ) वैदिक देवताओं की प्रकृति 4

(च) बौद्ध दर्शन में निर्वाण 4

(छ) निष्काम कर्म 4

(ज) वेदांग का महत्व 4

× × × × ×